गिरिधर कविराय की कुंडलिया

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कुंडलिया क्या है और गिरिधर कविराय का परिचय

प्रश्न 1 (आसान). कुंडलिया कितनी पंक्तियों की होती है?
उत्तर – दो या चार पंक्तियों की

प्रश्न 2 (आसान). गिरिधर कविराय किस सदी के थे?
उत्तर – 18वीं सदी

प्रश्न 3 (मध्यम). 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेइ' का मतलब क्या है?
उत्तर – बीती बात को भूलकर आगे की चिंता करो

प्रश्न 4 (कठिन). गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ क्यों कहावतों की तरह इस्तेमाल होती हैं? एक उदाहरण देकर समझाइए।
उत्तर – क्योंकि ये सरल शब्दों में नीति सिखाती हैं, जैसे 'बिना बिचारे जो करै सो पाछे पिछताय' – बिना सोचे काम करने से पछतावा होता है

» पहली कुंडलिया का अर्थ और व्याख्या

प्रश्न 5 (आसान). 'बिना बिचारे जो करै' का मतलब क्या है?
उत्तर – बिना सोचे-समझे काम करना

प्रश्न 6 (आसान). पछताय का अर्थ बताओ।
उत्तर – पछतावा, regret

प्रश्न 7 (मध्यम). 'जग में होत हँसाय' का क्या अर्थ है और इससे क्या समझ आता है?
उत्तर – दुनिया में लोग हँसेंगे, यानी शर्मिंदगी होगी

प्रश्न 8 (कठिन). पूरी कुंडलिया से समझाइए कि बिना बिचारे काम करने के तीन मुख्य नुकसान क्या हैं?
उत्तर – पछतावा, जग में हँसी, और चित में चैन न मिलना

» दूसरी कुंडलिया का अर्थ और व्याख्या

प्रश्न 9 (आसान). 'बीती ताहि बिसार दे' का सरल मतलब क्या है?
उत्तर – जो बीत गया उसे भूल जाओ

प्रश्न 10 (आसान). कुंडलिया हमें क्या सलाह देती है – अतीत याद रखने की या भूलने की?
उत्तर – अतीत भूलने की

प्रश्न 11 (मध्यम). 'जो बिन आवै सहज में ताही में चित देइ' का अर्थ लिखो और बताओ यह जीवन में कैसे मदद करता है?
उत्तर – जो काम आसानी से आए उसी में मन लगाओ। इससे मेहनत कम लगती है और सफलता जल्दी मिलती है।

प्रश्न 12 (कठिन). अगर कोई व्यक्ति हमेशा पुरानी गलतियों को याद करके दुखी रहता है तो कुंडलिया के अनुसार उसे क्या करना चाहिए? पूरी व्याख्या दो।
उत्तर – उसे 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेइ' करना चाहिए, सहज काम में चित देना चाहिए ताकि दुर्जन न हँसे और मन में खता न रहे। इससे आगे सुख मिलेगा।

» कुंडलिया की रचना विशेषताएँ

प्रश्न 13 (आसान). कुंडलिया में अंतिम शब्द का क्या नियम है?
उत्तर – हर पंक्ति का अंतिम शब्द अगली पंक्ति का प्रारंभिक शब्द होता है

प्रश्न 14 (आसान). दोनों कुंडलियों में साझा विशेषता क्या है?
उत्तर – लय, यमक और संवाद शैली

प्रश्न 15 (मध्यम). 'जग में होत हँसाय' में कौन-सी विशेषता है? समझाओ।
उत्तर – यमक – हँसाय का मतलब हँसी उड़ाना, और लय भी है

प्रश्न 16 (कठिन). दोनों कुंडलियों की साझा और विशिष्ट रचना विशेषताएँ लिखकर बताओ कि ये कविता को कैसे याद रखने लायक बनाती हैं?
उत्तर – साझा: लय, यमक, repeating words, संवाद शैली. विशिष्ट: पहली में पछतावा, दूसरी में hope. ये मिलकर कविता को लयबद्ध और संवाद जैसा बनाती हैं, इसलिए कहावत बन जाती है।

» काल से जुड़े शब्द और उनके प्रयोग

प्रश्न 17 (आसान). 'आज' शब्द से भूतकाल में एक वाक्य बनाओ।
उत्तर – आज मैंने सुबह नाश्ता किया।

प्रश्न 18 (आसान). 'अभी' शब्द से वर्तमान काल में एक वाक्य बनाओ।
उत्तर – अभी मैं पढ़ रहा हूँ।

प्रश्न 19 (मध्यम). शब्द 'परसों' का उपयोग करके तीनों कालों में वाक्य बनाओ और काल बताओ।
उत्तर – भूत: परसों मैं खेला। वर्तमान: परसों की तैयारी अब कर रहा हूँ। भविष्य: परसों मैं खेलूंगा।

प्रश्न 20 (कठिन). कुंडलिया की पंक्ति 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेइ' को आधार बनाकर, 'बीती' और 'आगे' शब्दों से तीनों कालों में वाक्य बनाकर समझाओ कि समय कैसे भूलना और आगे बढ़ना सिखाता है।
उत्तर – भूत: बीती गलती को याद मत करो। वर्तमान: आगे की सोच अब शुरू करो। भविष्य: आगे की परीक्षा में अच्छे नंबर लाओ। मतलब अतीत को भूलना और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए।

» मन और चित्त से जुड़े शब्द

प्रश्न 21 (आसान). चित्त में चैन न पावै का मतलब क्या है?
उत्तर – मन में शांति न मिलना

प्रश्न 22 (आसान). परतीती का मतलब बताओ।
उत्तर – विश्वास या यकीन

प्रश्न 23 (मध्यम). 'ताही में चित देइ' का अर्थ लिखो और अपना एक उदाहरण दो।
उत्तर – जो आसानी से आए उसी में मन लगाओ। उदाहरण – जो पढ़ाई आसान लगे उसी में पहले ध्यान दो।

प्रश्न 24 (कठिन). दोनों कुंडलियों से मन-चित्त वाले शब्द चुनकर एक छोटा वाक्य बनाओ जो सलाह दे।
उत्तर – मन परतीती रखो, चित्त को सहज काम में लगाओ, तभी चैन मिलेगा।

» खान-पान, सम्मान, राग-रंग का अर्थ

प्रश्न 25 (आसान). खान-पान का क्या मतलब है?
उत्तर – अच्छा खाना-पीना (food and drink)

प्रश्न 26 (आसान). राग-रंग से क्या समझते हो?
उत्तर – गाना-बजाना, खेल-तमाशा, fun and entertainment

प्रश्न 27 (मध्यम). बिना सोचे काम करने पर सम्मान मिलने पर भी क्यों सुख नहीं मिलता?
उत्तर – क्योंकि मन में खटकन बनी रहती है, इसलिए सम्मान भी अच्छा नहीं लगता

प्रश्न 28 (कठिन). अगर कोई व्यक्ति खूब खान-पान, सम्मान और राग-रंग में रहता है पर मन में चैन नहीं है तो इसका कारण कुंडलिया के अनुसार क्या है?
उत्तर – उसने कोई काम बिना विचारे किया होगा, जिसकी पीड़ा उसे सुख लेने नहीं देती

» पाठ की सीख का जीवन में उपयोग

प्रश्न 29 (आसान). जल्दबाजी में बिना हेलमेट बाइक चलाने का क्या परिणाम हो सकता है?
उत्तर – पुलिस चालान कट सकता है और एक्सीडेंट में खतरा बढ़ जाता है।

प्रश्न 30 (आसान). अगर लॉटरी जीतने का मैसेज आए तो क्या करना चाहिए?
उत्तर – किसी को पैसे मत भेजो, साइबर सेल को सूचित करो।

प्रश्न 31 (मध्यम). सोशल मीडिया पर झूठा संदेश भरोसा करके फॉरवर्ड करने के नुकसान बताओ।
उत्तर – गलत खबर फैलती है, लोगों को धोखा होता है, और तुम भी परेशानी में पड़ सकते हो।

प्रश्न 32 (कठिन). अपने जीवन में बिना सोचे लिए एक फैसले का उदाहरण दो और बताओ कि उससे क्या सीख मिली जो अब तुम साइबर धोखाधड़ी से बचने में यूज करोगे।
उत्तर – एक बार बिना सोचे ऑनलाइन गेम में पैसे लगाए, पैसे गए और गेम भी फेक निकला – अब सीख है कि किसी अनजान लिंक या ऐप पर भरोसा मत करो, हमेशा परिवार से पूछो और बैंक से कन्फर्म करो।

» अनुमान, कल्पना और कहानी रचना

प्रश्न 33 (आसान). एक पक्षी की समस्या सोचो जो जाल में फंस गया हो, उसकी कल्पना करके एक वाक्य लिखो।
उत्तर – पक्षी सोचता है कि पुराना जाल भूलकर आगे उड़ने की कोशिश करूँ – 'बीती ताहि बिसार दे'।

प्रश्न 34 (आसान). अपने शिक्षक की समस्या कल्पना करो जो पुरानी गलती याद करके चिंतित रहते हैं, एक अनुमान लगाओ।
उत्तर – शिक्षक का मन खटकता है लेकिन 'आगे की सुधि लेइ' से वो नए तरीके सिखा सकते हैं।

प्रश्न 35 (मध्यम). 'बिना विचारे जो करै' पर आधारित अपने मित्र की कहानी का मुख्य भाग लिखो जिसमें कल्पना हो।
उत्तर – मेरा मित्र बिना सोचे पैसे उधार दे बैठा, बाद में पछताया, लेकिन सीखा कि आगे सावधानी बरतनी है।

प्रश्न 36 (कठिन). कोई पशु (गाय) जो पुरानी बीमारी याद करके उदास है, उसके लिए पूरी छोटी कहानी रचो जिसमें अनुमान, कल्पना और कुंडलिया की सीख तीनों हों।
उत्तर – गाय पुरानी चोट याद कर उदास रहती, मालिक कहता है 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेइ' – गाय नई घास चरकर स्वस्थ होती है, सब खुश।

» कविता की मात्रा और पहेली

प्रश्न 37 (आसान). केवल 'आ' मात्रा से एक छोटा वाक्य बनाओ।
उत्तर – आम आदमी आकर आम खाता है।

प्रश्न 38 (आसान). 'खान पान सन्मान' का मतलब बताओ।
उत्तर – खाना-पीना, सम्मान और राग-रंग।

प्रश्न 39 (मध्यम). 'आ' मात्रा से दो वाक्य बनाकर एक छोटी पहेली लिखो।
उत्तर – आओ आकर आम खाओ, आँखें आश्चर्य से खुल जाएँगी। (पहेली – सही समय पर सही काम करने से सब अच्छा लगता है।)

प्रश्न 40 (कठिन). केवल 'इ' मात्रा से एक वाक्य बनाओ जो 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेइ' की सीख से जुड़ा हो।
उत्तर – इंसान इधर-उधर की इच्छा छोड़कर इमानदारी से इंतजार करे तो इश्वर इज्जत देगा।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. गिरिधर कविराय की कुंडलिया 'बिना बिचारे जो करै सो पाछे पिछताय' का मतलब समझाइए और बताइए कि यह क्यों लोकप्रिय है?

› पहले पंक्ति पढ़ो - 'बिना बिचारे जो करै सो पाछे पिछताय'
› मतलब समझो - बिना सोचे-समझे काम करने से बाद में पछतावा होता है
› दूसरी पंक्ति - 'काम बिगारे आपनो जग में होत हँसाय'
› यह बताती है कि काम खराब हो जाता है और लोग हँसते हैं
› लोकप्रिय इसलिए क्योंकि सरल भाषा में नीति सिखाती है और कहावत जैसी याद रहती है

उत्तर – यह कुंडलिया सिखाती है कि हर काम सोच-समझकर करना चाहिए, वरना पछतावा और हँसी का सामना करना पड़ता है। यह लोकप्रिय है क्योंकि यह 18वीं सदी से चली आ रही है और आज भी लोगों के रोजमर्रा के फैसलों में काम आती है।

उदाहरण 2. कुंडलिया की इन पंक्तियों का अर्थ लिखो – 'जग में होत हँसाय चित में चैन न पावै। खान पान सन्मान राग रंग मनिहं न भावै।'

› पहले जग में होत हँसाय का मतलब समझो – दुनिया में लोग हँसेंगे, मजाक उड़ाएंगे।
› फिर चित में चैन न पावै – मन में शांति नहीं मिलेगी, बेचैनी रहेगी।
› खान पान सन्मान राग रंग मनिहं न भावै – अच्छा खाना, इज्जत, गाना-बजाना, खेल-कूद कुछ भी अच्छा नहीं लगेगा।
› सब मिलाकर मतलब है कि बिना सोचे किए काम से बाहर हँसी और अंदर बेचैनी दोनों होती है।

उत्तर – बिना सोचे काम करने से लोग हँसते हैं, मन में चैन नहीं मिलता और खान-पान, सम्मान, राग-रंग कुछ भी अच्छा नहीं लगता।

उदाहरण 3. कुंडलिया के अनुसार अगर कोई छात्र पिछले साल की परीक्षा में गणित में कम नंबर लाया हो तो उसे क्या करना चाहिए?

› पहले पुरानी गलती को 'बीती ताहि बिसार दे' – भूल जाना चाहिए
› फिर 'आगे की सुधि लेइ' – इस साल के सिलेबस पर ध्यान देना चाहिए
› 'जो बिन आवै सहज में ताही में चित देइ' – जिस टॉपिक आसानी से समझ आए, पहले उसी में मजबूत बनना चाहिए
› इससे 'दुजर्न हँसै न कोइ' – कोई हँसेगा नहीं और मन में खता भी नहीं रहेगा
› अंत में 'आगे को सुख होइ' – अच्छे नंबर आएंगे

उत्तर – पुरानी गलती भूलकर इस साल सहज टॉपिक्स पर पूरा ध्यान देकर आगे बढ़ना चाहिए, ताकि सफलता मिले।

उदाहरण 4. दोनों कुंडलियों से दो-दो रचना विशेषताएँ चुनकर लिखो और एक उदाहरण दो।

› पहले साझा विशेषता देखो – दोनों में लय है, हर पंक्ति बोलने में बराबर समय लगता है।
› दूसरी विशेषता – अंतिम शब्द अगली पंक्ति का शुरूआती शब्द: 'हँसाय' से 'चैन में चैन न पावै'।
› पहली कुंडलिया की विशिष्ट – ज्यादा यमक और पछतावे का दुख।
› दूसरी की विशिष्ट – 'बीती सो बीती' जैसी hope वाली संवाद शैली।
› उदाहरण: 'जग में होत हँसाय' में यमक है।

उत्तर – साझा: लय और repeating words. विशिष्ट: पहली में दुख, दूसरी में आगे बढ़ने का संदेश।

उदाहरण 5. शब्द 'कल' का प्रयोग करके भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्य काल में एक-एक वाक्य बनाइए।

› भूतकाल के लिए: काम बीत चुका हो, 'कल' का मतलब बीता हुआ दिन – 'कल मैंने स्कूल में कुंडलिया पढ़ी।'

› वर्तमान काल के लिए: अभी हो रहा काम, 'कल' का मतलब आने वाला दिन लेकिन वाक्य अभी का – 'कल मैं कुंडलिया याद कर रहा हूँ।'

› भविष्य काल के लिए: आने वाला काम, 'कल' का मतलब भविष्य – 'कल मैं कुंडलिया की परीक्षा दूंगा।'

› अब इन वाक्यों में शब्दों को रेखांकित करो जो काल बताते हैं।

उत्तर – भूत: कल मैंने स्कूल में कुंडलिया पढ़ी। वर्तमान: कल मैं कुंडलिया याद कर रहा हूँ। भविष्य: कल मैं कुंडलिया की परीक्षा दूंगा।

उदाहरण 6. कुंडलिया की पंक्ति 'खटकत है जिय माहिं कियो जो बिना बिचारे' का मतलब बताओ और उदाहरण दो।

› पहले शब्दों को अलग-अलग समझो – खटकत मतलब चुभना, जिय माहिं मतलब मन में।

› पूरी लाइन का अर्थ निकालो – बिना सोचे किया काम मन में चुभता रहता है।

› अब रोजमर्रा का उदाहरण दो – जैसे बिना सोचे दोस्त का पैसा उधार दे दिया और वापस नहीं मिला तो मन खटकता रहता है।

उत्तर – बिना विचारे किया काम मन में चुभता रहता है और चैन नहीं पड़ता।

उदाहरण 7. एक लड़का बिना सोचे दोस्त के साथ स्कूल बंक करके सिनेमा देखने चला गया। बाद में उसे अच्छा खाना, घरवालों का सम्मान और खेल-राग-रंग मिला, फिर भी उसे सुख क्यों नहीं मिला? कुंडलिया के अनुसार समझाइए।

› पहले देखो – लड़के ने बिना विचारे काम किया, स्कूल बंक किया

› इससे उसका मन खटकने लगा, खटकत है जिय माहि कियो जो बिना बिचारे

› अब खान-पान, सम्मान, राग-रंग सब मिलने पर भी मनिहं न भावै, यानी ये सुख उसे अच्छे नहीं लगे

› क्योंकि दुःख कुछ टरत न टारे, वो पीड़ा मन से नहीं हटी

› इसलिए सुख की कमी बनी रही

उत्तर – बिना विचारे किए काम से मन अशांत रहता है, इसलिए खान-पान, सम्मान और राग-रंग भी सुख नहीं दे पाते।

उदाहरण 8. मान लो तुम्हें मैसेज मिला: 'आपका सिम कार्ड बंद होने वाला है। KYC अपडेट करने के लिए आधार और PAN की फोटो भेजें।' तुम क्या करोगे और क्यों? सोच-समझकर फैसला बताओ।

› पहले मैसेज को ध्यान से पढ़ो – यह अनजान नंबर से आया है, बैंक या टेलीकॉम कंपनी का ऑफिशियल नंबर नहीं।

› जल्दबाजी मत करो, तुरंत फोटो मत भेजो – यह साइबर धोखाधड़ी हो सकती है।

› सीधे अपने मोबाइल कंपनी के कस्टमर केयर पर कॉल करो और पूछो कि सच में KYC चाहिए या नहीं।

› अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे आधार, PAN किसी को मत दो, क्योंकि इससे बैंक अकाउंट भी हैक हो सकता है।

› अगर शक हो तो साइबर क्राइम पोर्टल https://cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट कर दो।

उत्तर – मैं कॉल काट दूँगा, कंपनी से सीधे संपर्क करूँगा, कोई जानकारी नहीं भेजूँगा – क्योंकि बिना सोचे काम करने से व्यक्तिगत डेटा चोरी हो सकता है और बाद में बहुत नुकसान होगा।

उदाहरण 9. कल्पना कीजिए कि आपका सहपाठी रिया हमेशा पिछले साल की असफलता में खोई रहती है। उसके लिए 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेइ' पर आधारित एक छोटी कहानी रचिए जिसमें अनुमान और कल्पना का उपयोग हो।

› पहले समस्या बताओ: रिया पिछले साल फेल होने की बात बार-बार सोचती है, पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाती।

› अनुमान लगाओ: उसका मन 'चैन न पावै', खाना भी स्वाद नहीं लेती, दोस्तों से बात नहीं करती।

› कुंडलिया की सीख दो: 'बीती ताहि बिसार दे आगे की सुधि लेइ, जो बिन आवै सहज में ताही में चित देइ' – पुरानी बात भूलो, इस साल की पढ़ाई पर ध्यान दो।

› कल्पना से अंत: रिया आगे पढ़ती है, अच्छे नंबर लाती है, मन में खुशी आती है।

उत्तर – रिया ने पुरानी असफलता भुलाकर इस साल मेहनत की और सफल हुई – 'आगे को सुख होइ समुझि बीती सो बीती'।

उदाहरण 10. केवल 'ई' मात्रा का इस्तेमाल करके एक अर्थपूर्ण वाक्य बनाओ और उसकी पहेली जैसी व्याख्या दो।

› पहले एक मात्रा चुनो – ई

› उससे शुरू होने वाले शब्द सोचो – ईमान, ईंट, ईख, ईश्वर

› इन्हें मिलाकर वाक्य बनाओ – ईमानदार लड़का ईंट पर बैठा ईख खाता है।

› अब इसकी पहेली समझो – ईमान रखो तो ईश्वर मदद करता है, वरना ईंट जैसा दिल हो जाता है।

उत्तर – ईमानदार लड़का ईंट पर बैठा ईख खाता है – ईमान रखने से सब कुछ अच्छा लगता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• बोर्ड एग्जाम में कुंडलिया की परिभाषा और गिरिधर कविराय का परिचय जरूर पूछा जाता है, उदाहरण के साथ लिखना।

• बोर्ड परीक्षा में इस कुंडलिया का अर्थ और नुकसान पूछे जाते हैं, तीनों बातें – पछतावा, हँसी, चैन न मिलना – जरूर लिखना।

• बोर्ड एग्जाम में यह कुंडलिया अर्थ के साथ लिखनी आनी चाहिए, खासकर 'अतीत भूलकर भविष्य पर ध्यान' वाला भाग अक्सर पूछा जाता है।

• एग्जाम में अक्सर पूछा जाता है – दोनों कुंडलियों की साझा और विशिष्ट रचना विशेषताएँ लिखो, उदाहरण सहित।

• बोर्ड एग्जाम में अक्सर तीनों कालों में वाक्य बनाने को पूछते हैं, शब्द रेखांकित करना न भूलना।

• परीक्षा में इन शब्दों के अर्थ और पंक्ति के संदर्भ जरूर लिखना, 2-3 अंक आते हैं।

• परीक्षा में पूछा जा सकता है – 'खान पान सन्मान राग रंग मनिहं न भावै' का अर्थ लिखो, उदाहरण दो; बोर्ड में 2-3 अंक का सवाल आता है।

• बोर्ड एग्जाम में यह कॉन्सेप्ट अक्सर 'अपने अनुभव साझा कीजिए' या 'जीवन में बदलाव' जैसे 5 अंकों के प्रश्न में आता है – हमेशा 2-3 रोजमर्रा के उदाहरण देकर लिखो, स्कोर अच्छा मिलेगा।

• बोर्ड परीक्षा में कहानी रचना के सवाल में कुंडलिया की पंक्ति जरूर शामिल करो, अनुमान और पात्र की भावना लिखो – अंक ज्यादा मिलते हैं।

• बोर्ड एग्जाम में कुंडलिया की विशेषताओं में 'एक मात्रा का बार-बार प्रयोग' और 'पहेली जैसी पंक्तियाँ' जरूर लिखना, 2-3 अंक मिल सकते हैं।

एक नज़र में रिवीज़न

› कुंडलिया=2-4 पंक्ति नीतिकविता, गिरिधर कविराय (18वीं सदी)

› बिना बिचारे काम = पछतावा + जग में हँसी + चैन नहीं

› बीती भूलो, आगे पर ध्यान दो, सहज काम में चित लगाओ

› कुंडलिया: लय + यमक + last word=next start + संवाद शैली

› काल शब्द: कल, आज, बीती, आगे – तीनों कालों में वाक्य

› चित्त-मन-चैन-खटकत-परतीती के अर्थ याद रखो

› बिना विचारे काम खान-पान, सम्मान, राग-रंग भी सुख नहीं देते

› बिना सोचे काम = पछतावा; साइबर धोखे से बचो, सोच-समझकर करो

› अनुमान+कल्पना से कहानी: बीती भूलो, आगे देखो

› एक मात्रा बार-बार = लय + अर्थ, खान-पान-सन्मान पहेली